पुराने नियम के ऐतिहासिक विवरण पाठ्यक्रम निर्देशिका

यहोशू की पुस्तक
शमूएल की पुस्तक

पाठ्यक्रम का वर्णन

यहोशू की पुस्तक में कनान की विजय से लेकर यहोशू की मृत्यु के ठीक बाद तक के इस्राएल के इतिहास का विवरण पाया जाता है। यद्यपि पुस्तक की कुछ घटनाएँ आधुनिक पाठकों को थोड़ा असहज महसूस करा सकती हैं, फिर भी यह याद रखना सहायक है कि परमेश्वर ने यहोशू के सब कार्यों में उसके साथ रहने की प्रतिज्ञा की थी, विशेषकर इस्राएलियों को प्रतिज्ञा के देश में ले जाने में। शमूएल की पुस्तकें शमूएल के जन्म से लेकर राजा दाऊद के शासनकाल तक इस्राएल के इतिहास का विवरण देती हैं। परमेश्वर के राज्य के विकास में इस सदी के महत्व को कम आंकना कठिन होगा। जब भविष्यवक्ता शमूएल का जन्म हुआ, तब इस्राएल न्यायियों और लेवियों के असफल नेतृत्व के कारण अव्यवस्था में पड़ा था। लेकिन जब तक दाऊद ने अपने आखिरी शब्द कहे, तो परमेश्वर ने उसके साथ एक सदा की वाचा बाँध ली थी और दाऊद के घराने को उसके लोगों पर स्थाई राजवंश के रूप में स्थापित कर दिया था। यह पाठ्यक्रम यहोशू और शमूएल की पुस्तकों की पृष्ठभूमि, उद्देश्य, विषय-वस्तु और अनुप्रयोग के बारे में सिखाता है। यह व्याख्यान श्रृंखला, यहोशू की पुस्तक और शमूएल की पुस्तक पर आधारित है, जिसे थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज द्वारा रचा गया है और डॉ. सेत टारेर और डॉ. थैडियस जे. जेम्स, जूनियर द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और इसमें विभिन्न प्रोफेसरों का भी योगदान है।

लक्ष्य और उद्देश्य

लक्ष्य

इस पाठ्यक्रम में हम निम्नलिखित बातों को हासिल करना चाहेंगे :

1. हम आशा करते हैं कि आप यहोशू और शमूएल की पुस्तकों की पृष्ठभूमि, उद्देश्य, विषय-वस्तु और अनुप्रयोग के बारे में जानने के लिए पाठ्यक्रम के सभी निर्देशात्मक तत्वों का प्रयोग करेंगे।

2. हम आशा करते हैं कि जब आप यहोशू और शमूएल की पुस्तकों के इतिहास और शिक्षाओं से सीखते हैं तो आप प्रभु पर अपने भरोसे और उसके प्रति अपने समर्पण में बढ़ेंगे।

3. हम आशा करते हैं कि आप यहोशू और शमूएल की पुस्तकों का अध्ययन करने के महत्त्व के बारे में आश्वस्त हो जाएँ और उनसे सिखाने में आपकी दिलचस्पी बढ़े।

4. हमारी आशा है कि आप इस पाठ्यक्रम की शिक्षाओं के प्रत्युत्तर के रूप में अपने जीवन में परिवर्तन करेंगे। यह आपको संपूर्ण बाइबल के अनुच्छेदों की व्याख्या करने और उन्हें लागू करने में सहायता करेगा।

उद्देश्य

जब आप निम्नलिखित बातों को कर लेंगे, तो यह दिखाएगा कि ये लक्ष्य पूरे हो चुके हैं :

1. पाठ्यक्रम की परीक्षा और प्रश्नोत्तरी में संतोषजनक अंक प्राप्त करें, जिससे पता लगे कि आप निम्नलिखित बातों को पहचान सकते हैं : क) यहोशू और शमूएल की पुस्तकों की पृष्ठभूमि, उद्देश्य और रचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी, ख) इन पुस्तकों के लोगों के जीवन की प्राथमिक घटनाएँ, और ग) पुराने नियम के ऐतिहासिक विवरण की इन पुस्तकों का मूल अर्थ और मसीही अनुप्रयोग।

2. ऐसी साप्ताहिक चर्चाओं में भाग लेना जो थर्डमिल वीडियो की शिक्षाओं की समीक्षा करती हैं और उन पर ध्यान देती हैं ताकि आप अवधारणाओं को पूरी तरह से समझ सकें और उन्हें अपने जीवन और अपनी सेवकाई में लागू कर सकें।

पुराने नियम के ऐतिहासिक विवरण के पाठ्यक्रम के मॉड्यूल्स की सूची

1. यहोशू की पुस्तक का परिचय
2. जयवंत विजय (यहोशू 1:1 – 12:24)
3. गोत्रों को उनका भाग दिया जाना (यहोशू 13:1 – 22:34)
4. वाचाई विश्वासयोग्यता (यहोशू 23:1 – 24:33)
5. शमूएल की पुस्तक का परिचय
6. शमूएल और शाऊल
7. राजा दाऊद

पाठ्यक्रम के तत्वों की व्याख्या

बैज

1. प्रत्येक सप्ताह आपकी सामूहिक चर्चा के समय का एक भाग ***बैज डॉक्यूमेंट*** पर कार्य करने के लिए समर्पित होना चाहिए। यह दो-पृष्ठीय मार्गदर्शिका आपके प्रशिक्षक के लिए एक सामान्य निर्देश प्रदान करेगी, जब आप इस महत्वपूर्ण सेवकाई कौशल को विकसित करना चाहते हैं।

2. पहले कुछ सप्ताहों में, आपकी चर्चा के समय का कुछ हिस्सा बैज निर्देशों में दिए गए चर्चा *के विषयों* पर कार्य करने में व्यतीत होगा।

3. एक बार जब सामूहिक चर्चा के समय के द्वारा एक ठोस नींव रखी जा चुकी हो तो शेष सप्ताह *कार्य की बुलाहट* बैज पर कार्य करते हुए बिताएँ।

4. आपके प्रशिक्षक द्वारा जब बैज निर्देशों के संदर्भ में कार्य के चरणों की पूर्णता को निर्धारित कर दिया जाता है तो आपको बैज प्रदान किया जाएगा।

मॉड्यूल्स

1. अध्यायों का अध्ययन करें : **वीडियो** देखें, **ऑडियो** सुनें, या **प्रतिलिपि** पढ़ें।

2. प्रत्येक मॉड्यूल की ***अध्ययन मार्गदर्शिका*** को पूरा करें। ये अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ आपको ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी के लिए तैयार करेंगी।

3. प्रत्येक मॉड्यूल के लिए ऑनलाइन ***प्रश्नोत्तरी*** को पूरा करें। आप जितनी बार चाहें प्रश्नोत्तरी को पूरा कर सकते हैं, परंतु आपको प्रत्येक प्रयास के बीच एक घंटे का अंतराल रखना होगा। आपके द्वारा प्राप्त उच्चतम अंक आधिकारिक अंक होंगे। हमारा सुझाव है कि आप साप्ताहिक चर्चा में भाग लेने से पहले कम से कम 80% अंक प्राप्त करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आप अवधारणाओं को सही तरीके से समझ गए हैं।

4. ***चर्चा मार्गदर्शिका*** का उपयोग करते हुए अपने समूह और प्रशिक्षक के साथ साप्ताहिक चर्चा में भाग लें। पाठ्यक्रम सामग्री की आपकी पूरी समझ के लिए और आपके जीवन और आपकी सेवकाई में अवधारणाओं को सही ढंग से लागू करने की आपकी क्षमता के लिए ये चर्चाएँ महत्वपूर्ण हैं। हमारी सिफारिश है कि प्रत्येक मॉड्यूल के लिए कम से कम एक घंटे की चर्चा हो।

अंतिम परीक्षा

आप समीक्षा के लिए जितनी बार चाहें परीक्षा दे सकते हैं, परंतु आपको प्रत्येक प्रयास के बीच एक घंटे का अंतराल रखना होगा। आपके उच्चतम अंक आधिकारिक अंक होंगे, और पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए आपको अंतिम परीक्षा में कम से कम 80% अंक प्राप्त करने होंगे।

अंक

अंतिम अंकों की गणना निम्न प्रकार से की जाएगी :

1. व्याख्यानों पर आधारित प्रत्येक प्रश्नोत्तरी 30 अंकों की है।

2. व्याख्यानों पर आधारित अंतिम परीक्षा 100 अंकों की है।

3. बैज आपके ग्रेड को प्रभावित नहीं करेगा, परंतु प्रशिक्षक की संतुष्टि के लिए इसे पूरा किया जाना चाहिए और बाइबल-आधारित अध्ययनों में सर्टिफिकेट की सूची पर इसे पूर्ण के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए।

80% से अधिक के कुल पाठ्यक्रम अंकों को उत्तीर्ण के रूप में माना जाता है।

इस पाठ्यक्रम में योगदान देनेवालों की सूची (सूचीबद्ध संस्थान *रिकॉर्डिंग के समय से संबंधित हैं*)

एंड्रयू एबरनेथी, पीएच.डी. व्हीटन कॉलेज एवं ग्रेजुएट स्कूल में पुराने नियम के सहायक प्रोफेसर हैं।

रेव्ह. डॉ. हम्फ्री अकोगियरम घाना के अकरा में गुड न्यूज थियोलॉजिकल सेमिनरी में प्रोफेसर हैं।

डॉ. रिचर्ड ई. एवरबेक ट्रिनिटी इवैंजेलिकल डिविनिटी स्कूल में पीएच.डी. (धर्मवैज्ञानिक अध्ययन) के निदेशक और पुराने नियम और सेमिटिक भाषाओं के प्रोफेसर हैं।

रॉबर्ट एल. प्लमर द सदर्न बैपटिस्ट थियोलॉजिकल सेमिनरी में पुराने नियम के इंटरप्रेटेशन के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

डॉ. कॉन्सटेंटाइन आर. कैम्पबेल ट्रिनिटी इवेंजेलिकल डिविनिटी स्कूल में नए नियम के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

डॉ. डेविड कोर्रीया जीसस प्रेस्बिटेरियन कलीसिया के पासवान और मैक्सिको के मेरिडा स्थित सैन पाब्लो प्रेस्बिटेरियन थियोलॉजिकल सेमिनरी में यूथ मिनिस्ट्री इंस्टिटयूट के निदेशक हैं।

पास्टर ओरनान क्रूज़ क्यूबा में लॉस पिनोस नुएवोस के पासवान हैं।

श्री शेरिफ अतेफ फहीम मिस्र में अलेक्जेंड्रिया स्कूल ऑफ थियोलॉजी में पढ़ाते हैं।

डॉ. डग फॉल्स, शार्लोट, एन.सी. में स्टोनब्रिज चर्च कम्युनिटी में सहायक पासवान हैं, और शार्लोट में रिफॉर्म्ड थियोलॉजिकल सेमिनरी में व्यावहारिक धर्मविज्ञान के विजिटिंग लेक्चरर हैं।

डॉ. रसल टी. प्लमर द सदर्न बैपटिस्ट थियोलॉजिकल सेमिनरी में पुराने नियम के इंटरप्रेटेशन के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

रेव्ह. शेरिफ गेंडी थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ में अरबी प्रोडक्शन के निदेशक हैं।

रेव्ह. माइकल जे. ग्लोडो फ़्लोरिडा के ओरलैंडो में रिफॉर्म्ड थियोलॉजिकल सेमिनरी में बाइबल-आधारित अध्ययन के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

डॉ. जेम्स एम. हैमिल्टन सदर्न बैपटिस्ट थियोलॉजिकल सेमिनरी में बाइबल-आधारित धर्मविज्ञान के सहायक प्रोफेसर और केनवुड बैपटिस्ट चर्च के उपदेशक पास्टर हैं।

डॉ. डेनिस ई. जॉनसन वेस्टमिंस्टर सेमिनरी कैलिफ़ोर्निया में अकेडमिक डीन और व्यावहारिक धर्मविज्ञान के प्रोफेसर हैं।

डॉ. क्रेग एस. कीनर ओसबरी थियोलॉजिकल सेमिनरी में एफ.एम. और बाइबल-आधारित अध्ययनों के एडा थॉम्पसन अध्यक्ष हैं।

रेव्ह. केविन लैबी फ्लोरिडा के विंटर स्प्रिंग्स में विलो क्रीक कलीसिया के वरिष्ठ पास्टर हैं।

डॉ. डैन लैशिक फ्लोरिडा के ओरलैंडो में नॉर्थलैंड, ए चर्च डिस्ट्रिब्यूटेड के पास्टर हैं।

डॉ. रिचर्ड लिंट्स गॉर्डन-कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिनरी में धर्मविज्ञान के प्रोफेसर और अकेडमिक विषयों के उपाध्यक्ष हैं।

पास्टर डग मैककोनेल विस्कॉन्सिन के ग्रांट्सबर्ग स्थित लिविंग होप कलीसिया के मुख्य प्रचारक पास्टर हैं।

डॉ. चिप मैकडैनियल साउथईस्टर्न बैपटिस्ट थियोलॉजिकल सेमिनरी में पुराने नियम और इब्रानी के प्रोफेसर हैं।

रेव्ह. डॉ. इमाद ए. मिखाइल मिस्र में ग्रेट कमीशन कॉलेज के अध्यक्ष हैं।

पास्टर मीका नुस्सा तंजानिया चिल्ड्रन रेस्क्यू सेंटर के निदेशक हैं।

डॉ. जॉन ओसवाल्ट ओसबरी थियोलॉजिकल सेमिनरी में पुराने नियम के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हैं।

डॉ. एंड्रयू पारली ग्रेटर यूरोप मिशन के साथ एक मिशनरी के रूप में और थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के लिए फैकल्टी बोर्ड ऑफ अप्रूवल के सदस्य के रूप में सेवा करते हैं।

ग्रेगरी आर. पेरी नए नियम के एसोसिएट प्रोफेसर हैं और कोवेनेंट थियोलॉजिकल सेमिनरी में सिटी मिनिस्ट्री इनिशिएटिव के निदेशक हैं।

डॉ. टॉम पैटर गॉर्डन-कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिनरी में पुराने नियम के प्रोफेसर हैं।

डॉ. रिचर्ड एल. प्रैट, जूनियर थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के सह-संस्थापक और अध्यक्ष हैं।

डॉ. चार्ल्स एल. क्वार्ल्स साउथईस्टर्न बैपटिस्ट थियोलॉजिकल सेमिनरी में पीएच.डी. अध्ययन के निदेशक और नए नियम तथा बाइबल-आधारित धर्मविज्ञान के प्रोफेसर हैं।

डॉ. मार्क स्ट्रॉस सैन डिएगो की बेथेल सेमिनरी में नए नियम के प्रोफेसर हैं।

डॉ. डगलस स्टुअर्ट गॉर्डन-कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिनरी में पुराने नियम के प्रोफेसर हैं।

रेव्ह. डॉ. स्टीफन टोंग एक प्रसिद्ध चीनी प्रचारक और धर्मविज्ञानी, रिफॉर्म्ड इवेंजेलिस्टिक आन्दोलन के प्रवर्तक और स्टीफन टोंग इवेंजेलिस्टिक मिनिस्ट्रीज इंटरनेशनल (एस.टी.ई.एम.आई.), और इंडोनेशिया की रिफॉर्म्ड इवेंजेलिकल चर्च और सेमिनरी के संस्थापक हैं।

डॉ. ओलिवर एल. ट्रिमियू अंतर्विषयक अध्ययनों के सहायक प्रोफेसर और कोवेनेंट कॉलेज में अंतर्विषयक अध्ययनों के विभागाध्यक्ष हैं।

रेव्ह. हेनरिक तुर्कानिक पोलैंड की चर्च ऑफ़ फ्री क्रिस्चियन्स में सेवा करते हैं।

प्रोफेसर जेफरी ए. वोल्कमर बायोला यूनिवर्सिटी तालबोट स्कूल ओफ थियोलोजी में बाइबल-आधारित और धर्मवैज्ञानिक अध्ययनों के सहायक प्रोफेसर हैं।

डॉ. हर्बर्ट डी. वार्ड लुकआउट माउंटेन, जॉर्जिया में कोवेनेंट कॉलेज में बाइबल-आधारित अध्ययनों के प्रोफेसर हैं।

डॉ. स्टीफन जे. वेलम द सदर्न बैपटिस्ट थियोलॉजिकल सेमिनरी में मसीही धर्मविज्ञान के प्रोफेसर हैं।